



Rajkumar

07 Dec 1970

Model: Numerology-Report

Order No: 121051001

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 121051001

Date: 25/01/2026

नाम	Rajkumar
जन्म तिथि	07/12/1970
मूलांक	7
भाग्यांक	9
नामांक	1
मूलांक स्वामी	नेप/केतु
भाग्यांक स्वामी	मंगल
नामांक स्वामी	सूर्य
मित्र अंक	2, 6, 9
शत्रु अंक	1,
सम अंक	3, 4, 5, 8
मुख्य वर्ष	1987,1996,2005,2014,2023,2032,2041,2050
शुभ आयु	17,26,35,44,53,62,71,80
शुभ वार	रवि, सोम
शुभ मास	फर, जून, जुला
शुभ तारीख	7, 16, 25
शुभ रत्न	लहसुनिया
शुभ उपरत्न	सुनहरा हकीक
अनुकूल देव	नृसिंह भगवान
शुभ धातु	लौह
शुभ रंग	काला
मंत्र	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः
शुभ यंत्र	शनि यंत्र

12	7	14
13	11	9
8	15	10

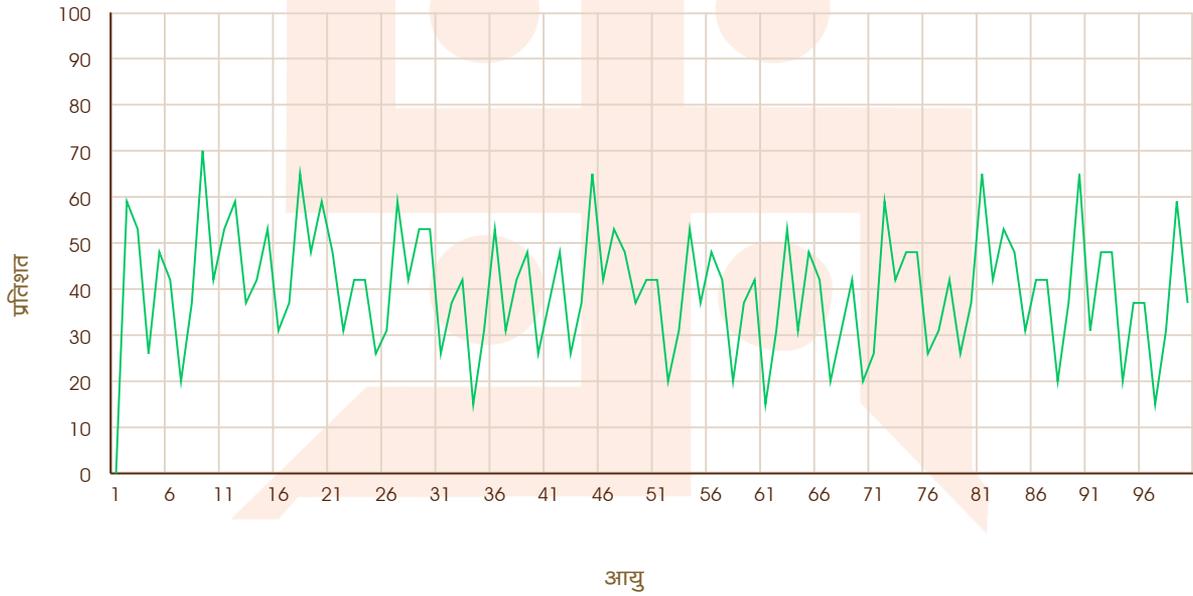
Ankijotish Insights

Hyderabad Telangana India

7995233535

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1987,1996,2005,2014,2023,2032,2041,2050

शुभ आयु 17,26,35,44,53,62,71,80

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक सात होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक सात होता है। अंक सात का अधिष्ठाता भारतीय मतानुसार केतु एवं पाश्चात्य मतानुसार नेपच्यून ग्रह को माना गया है। इन ग्रहों के थोड़े-बहुत प्रभाव आपके ऊपर आयेंगे। मूलांक सात के प्रभावश आपका अन्दर कल्पना शक्ति की मात्रा अधिक रहेगी। काव्य रचना, गीत-संगीत सुनना, दूरदर्शन देखना आपकी अभिरुचि में समाहित रहेगा। ललित कलाओं, लेखन, साहित्य आदि में आपकी रुचि रहेगी। आर्थिक सफलताएं आपको अधिक नहीं मिलेंगी तथा धन संग्रह करना भी आपको मुश्किल लगेगा। यात्रा, पर्यटन, सैर-सपाटा इत्यादि आपको विशेष अच्छा लगेगा।

दूसरों के मन की बात समझने में आप निपुणता हासिल करेंगे एवं सामने वाले को अपनी ओर आकृष्ट करने की विशेष शक्ति भी आपके अन्दर रहेगी। धर्म के क्षेत्र में आप परिवर्तनशील विचारधारा के रहेंगे एवं पुरानी रूढ़ियों, रीतियों में अधिक रुचि नहीं लेंगे। आपको ऐसे रोजगार-व्यापार पसन्द आयेंगे, जिनमें यात्रायें होती रहती हों तथा दूर-दूर के देशों से सम्पर्क बना रहे। आप ऐसा ही रोजगार चुनेंगे, जिनमें यात्रा के अवसर मिलते रहें।

अतीन्द्रिय ज्ञान की अधिकतावश जहाँ आप दूसरों के मन की बात को जान जायेंगे वहीं आपको स्वप्न भी अद्भुत प्रकार के आते रहेंगे। आपको विदेशों से, जहाज, मोटर इत्यादि वाहनों से विशेष लाभ प्राप्त होंगे।

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगे। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगे, जहाँ आपकी हुकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगे। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो। विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगे। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगे।

आपका मूलांक 7 है तथा भाग्यांक 9 है। मूलांक 7 का स्वामी नेपच्यून है तथा भाग्यांक 9 का स्वामी मंगल है। मूलांक 7 एवं भाग्यांक 9 के बीच शत्रु संबंध है। इसके प्रभाववश कभी आपका मूलांक साथ देगा, तो कभी आपका भाग्यांक साथ देगा और कभी-कभी तो दोनों ही शुभ-अशुभ फल प्रदान करेंगे। संयुक्त रूप में मूलांक-भाग्यांक के प्रभाववश आप ऐसा ही रोजगार-व्यापार पसंद करेंगे, जिसमें आपकी हुकूमत चलती रहे। रोजगार के क्षेत्र में आप स्वतंत्र विचारधारा के तथा अपनी मर्जी के मालिक बनने की कोशिश करते रहेंगे। आप

शीघ्रातिशीघ्र अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति करना पसंद करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी एवं अपनी मेहनत तथा लगन से आप युवावस्था से ही धन कमाना प्रारंभ कर देंगे। भौतिक सुख-साधन आपको काफी अच्छी मात्रा में प्राप्त होंगे तथा अपने साहस एवं मेहनत के द्वारा अच्छी संपत्ति एकत्रित करने में सफल होंगे। प्रारंभ में सामाजिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं होगी। लेकिन प्रौढ़ावस्था से आपका सामाजिक क्षेत्र सुदृढ़ होता चला जाएगा एवं वांछित मान-सम्मान प्राप्त होगा।

आपका भाग्योदय 27 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 36 वर्ष की अवस्था से आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी एवं 45 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 7 की 2 एवं 6 से मित्रता है तथा भाग्यांक 9 की 3 एवं 6 से मित्रता है। अतः आपके जीवन में, 2, 3, 6, 7, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन की कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से शत्रु संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के शुभ फलों में थोड़ी-बहुत न्यूनता आएगी। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभवार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए फरवरी, मार्च, जून, जुलाई, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके जीवन के मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही स्थान पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 7 एवं भाग्यांक 9 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 2, 3, 6, 7, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले होंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 2, 3, 6, 7, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक होंगे।

2 . 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

7 . 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे तथा इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बनेंगी ।



नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Rajkumar
2+1+1+2+6+4+1+2
नाम का योग : 19 नामांक : 1

आपके नाम का कुल योग उन्नीस बनता है। एक एवं नौ के योग से आपका नामांक एक होता है। नामांक एक का स्वामी सूर्य एवं नौ का स्वामी मंगल है। इन दोनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। आप हमेशा अपने रोजगार के क्षेत्र में सेनापति, नायक, मुखिया आदि का पद ग्रहण करने की चाहत रखेंगे। जीवन में आपको कई उच्च सफलताएं प्राप्त होंगी। कार्य में रुकावटों को आप धैर्य एवं साहस से पार कर लेंगे। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखना हितकर होगा। अतः आपके लिये सौम्यता का व्यवहार बनाये रखना भाग्य में वृद्धिकारक रहेगा। आपको अपने रोजगार व्यापार में स्वतंत्र प्रभाव वाले क्षेत्र का चुनाव करना प्रगति के लिए अच्छा रहेगा। आपकी विचार धारा स्वतंत्र स्वभाव की रहेगी। इससे आपको किसी के आधीन कार्य करने में असुविधा होगी। आपको स्वतंत्र रूप में कार्य करना पसंद होगा। सूर्य एवं मंगल का मिला-जुला प्रभाव आपको उच्चता के शिखर पर पहुँचाएगा।

आपके नाम का नामांक 1 है। इसका आपके मूलांक 7 एवं भाग्यांक 9 से सम संबंध है। अतः आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रहों के शुभ फल आपके नाम को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं होंगे। इसके प्रभाव से आपका नाम समाज में पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त करने में असमर्थ रहेगा। यदि आप मूलांक एवं भाग्यांक के ग्रहों का सम्पूर्ण फल प्राप्त करना चाहते हैं तो आप अपने नाम में इस प्रकार से परिवर्तन करें कि आपका नाम आपके मूलांक तथा भाग्यांक के साथ उत्तम तालमेल स्थपित करले। नाम में परिवर्तन करने के कारण आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रह के पूर्ण फल प्राप्त होंगे तथा आपका नाम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में लोकप्रियता प्राप्त करने में सफल रहेगा।

अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहते हैं तो आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करें तथा उसका नामांक 6 आता हो और 1 न हो तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगे। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 2,3 अंक शुभ रहेंगे तथा 9 अंक अहितकर होंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$

लोशु फल

	9 9	2
4	9	2
		7 7 7
3	5	7
	1 1	
8	1	6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में दो बार एक अंक की उपस्थिति होने से आप स्वयं को सुगमता व सहजता से व्यक्त कर पाते हैं, आप जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, तथा परिस्थितियों का सही अध्ययन कर पाने में सक्षम होते हैं, आप अच्छे साथी, बुद्धिमान एवं आनंदवृत्ति वाले, सुखद एवं अच्छे स्वभाव वाले हैं, दूसरे व्यक्ति के विचारों को भी सुगमतापूर्वक समझ लेते हैं। आप किसी अन्य व्यक्ति की राय को समझने में भी सक्षम हैं। आप महत्वाकांक्षी हैं आपको किसी भी प्रकार का प्रतिबंध पसंद नहीं है। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं। नौकरी करते हो या कोई व्यापार, लेकिन आप ऊँचे से ऊँचे पहुँच कर ही रहते हैं। आप अपने लक्ष्य के प्रति सदा सजग रहते हैं क्योंकि आपका लक्ष्य निश्चित

और निर्धारित होता है। निर्णय लेने में भी आप बहुत दक्ष हैं किसी भी विषय पर सोच-समझ कर निर्णय लेना आपका विशेष गुण है। आपका व्यक्तित्व और जीवन सदा स्वतंत्र रहता है, विचारों की मौलिकता आपकी एक विशेषता है। चार्ट में यह 1 के अंक की सर्वोत्तम संख्या मानी जाती है।

अंक 2 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक एक बार उपस्थित है। जिस कारण आप संवेदनशील और अंतर ज्ञानी हैं, आप एक ही झलक में दूसरे व्यक्ति का सार निकाल लेने में प्रवीण हो, किन्तु दुर्भाग्य आपको शीघ्रता से आहत भी कर देता है, आप निष्ठाहीनता को ज्ञात करने की विलक्षण प्रतिभा के स्वामी हैं। आप शांत और संवेदनशील स्वभाव वाले हो, आपको अपनी बात किसी से कहते वक्त उसे ध्यान रखना होता है। कभी कभी बात ठीक ढंग से किसी से कह नहीं पाते हो। कोई भी बात आपको बहुत जल्दी चुभ जाती है। आप बहुत भावनात्मक हो। आप बड़े ही अंतर्मुख स्वभाव के होने से आपको भविष्य में घटने वाली घटनाओं के बारे में संकेत मिल जाते हैं। आपमें हिम्मत की कमी होती है, आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप बड़े मूड़ी स्वभाव के होते हैं, बहुत जल्दी अपना स्वभाव बदल देते हैं, हसते हसते गंभीर हो जाते हैं।

अंक 3 - अनुपस्थित

लोशु चार्ट में अंक तीन की अनुपस्थिति हो तो गुरु जनों व ईश्वर की कृपा कम प्राप्त होती है। आत्मविश्वास की कमी रहती है, विचलित होने पर आप तार्किक रूप से नहीं सोच पाते, जिसके कारण आप स्वयं को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। अपनी कल्पनाओं के अंदर खोये रहते हैं, अक्षर दूसरों के साथ अच्छे सम्बन्ध नहीं बना पाते, आप अर्धिक दूर की नहीं सोच पाते, आपकी मानसिक क्षमता कमजोर होती है। जिस कारण आपको अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपकी कल्पनाशक्ति और ज्ञान कम होता है। आपके पास दूरदर्शिता भी नहीं रहती, यह मानसिक, शारीरिक, और आर्थिक तंगी में हालत से लड़ नहीं पाते। आप जल्दी परेशान हो जाते हैं, आपकी अध्यात्म और ज्ञान के विषय में रुचि नहीं रहती। आपको आवश्यकता इस बात की है कि आप स्वयं को स्वीकार कर आगे बढ़ें और धीरे-धीरे आत्मविश्वास व आत्मसम्मान में बढ़ोतरी करें।

अंक 4 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में चार का अंक अनुपस्थित है। अतः आप पूर्वनिर्धारित योजना के अनुसार कार्य नहीं कर पाते। कई बार आप अपने विचारों में उलझे रहते हैं और दिशाहीन हो जाते हैं। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है, जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती है, विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने

में परेशानी महसूस होती है। आपमें दिमाग, बुद्धि और अनुशासन की कमी होती है, आप वक्त की उपयोगिता को नहीं समझ पाते। आप संयोजित नहीं होते, जिस कारण आपको जितनी सफलता मिलनी चाहिए उतनी नहीं मिल पाती। आवश्यकता इस बात की है कि आप सुव्यवस्थित होकर अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ें, इस अंक की अनुपस्थिति से आप अपने ज्ञान, सम्पर्क, परिवार के सदस्य तथा अपने कर्मचारियों से भी पूरा लाभ नहीं ले पाते। धीरता और सहनशीलता के गुणों के विकास से जीवन आपके लिए आसान बन जाता है।

अंक 5 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 5 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप लक्ष्य निर्धारण में कठिनाई का अनुभव करते हैं, और आपमें बहुमुखी प्रतिभा व इच्छा शक्ति का अभाव होता है। आप वार्तालाप करने में असफल, पढ़ने में मन न लगना व पैसे का अभाव बना रहता है। आप जल्दी ही धैर्य छोड़ देते हैं, सफलता भी आसानी से नहीं मिलती, क्योंकि इनका बात करने का ढंग अच्छा नहीं होता है। चोट-चपेट और दुर्घटनाओं का दुर्योग बनता है। शस्त्राघात व दुर्घटना की संभावना जीवन में हमेशा रहती है। आपको हमेशा ही वाहन आदि सावधानी से चलने चाहिए। आपको अपने व्यक्तिगत जीवन में कई चुनौतियों और उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ता है। कई कार्यों में असफलता प्राप्त होती है, आपके पारिवारिक जीवन में उथल-पुथल मची रहती है। आपको दूसरों से सतत प्रेरणा की आवश्यकता होती है। ऐसे में आपको चाहिए कि यथार्थ लक्ष्य को निर्धारित करना सीखें, और उसे प्राप्त करने के पश्चात् ही अगले लक्ष्य की ओर बढ़ें। अंक पांच की चार्ट में अनुपस्थिति सामान्य है।

अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चतता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

अंक 7 - तीन बार

आपके लोशु चार्ट में सात अंक तीन बार उपस्थित है। अतः आप प्रायः निराश जीवन व्यतीत करते हैं जिसका कारण होता है। प्रणय, स्वास्थ्य एवं धन के क्षेत्र में बाधाएं और आशाभंगता, शायद इन कठिनाइयों के परिणाम-स्वरूप ही ऐसे लोग अत्यधिक अन्तर्शक्ति का संचय कर लेते

हैं। अत्यधिक पराङ्गमुखता एवं गंभीरता तथा दूसरों पर विश्वास का अभाव आपको बिल्कुल अकेला, दिग्भ्रमित, उदासीन तथा खिन्नचित्त बना सकता है। गर्व, अहम, छिपे उद्देश्य तथा बहुत अधिक सकारात्मक सोच कई बार आपको गलत परिस्थितियों में ला सकती है। कई बार आप अत्यधिक उत्तेजित होकर बुरा बर्ताव करने लगते हैं। यदि आपका प्रेम एवं वैवाहिक सम्बन्ध ऐसे लोगों से हो जिनका स्वभाव एवं रुचि आप से न मिलती हो तो आपके सम्बन्ध जल्दी टूट जाते हैं। आपमें आत्म नियंत्रण भी गजब का होता है, तथा आप आसानी से एकांत प्रवास अथवा अध्यात्म की ओर आमुख हो जाते हैं।

अंक 8 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 8 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप अपने वित्तीय प्रबंधन में कुशल नहीं होते, आप या तो बिल्कुल ही लापरवाह होते हैं, अथवा दूसरों के प्रति ज्यादा विश्वस्त होते हैं। फलस्वरूप रुपये-पैसे के मामलों में कष्ट प्राप्त करते हैं, आपमें निर्णय शक्ति की कमी व भौतिक साधनों का अभाव रहता है। लक्ष्य-निर्धारण की भी कमी होती है, और कार्य को हाथ में लेकर अधूरा छोड़ने की प्रवृत्ति भी, आपको प्राकृतिक जल्दबाजी को नियंत्रण करने, और अभिनय से पहले सोचने के लिए सिखने की जरूरत है। आप अनुशासित नहीं होते हैं, आप अपने पैसों का हिसाब नहीं रख पाते, जैसे कितना कमाया, कितना लगा और क्या बचा है। आप अधिक मेहनत करने में विश्वास नहीं रखते, आपकी अत्यधिक महत्त्वाकांक्षा एवं भौतिकवादी सोच आपके लिए तनाव एवं अवसाद का कारण बनती है। आपमें जल्दी स्थिरता नहीं आती, और जीवन में जल्दी से पैसा कमाना चाहते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि आप अपनी इस स्वेच्छा की प्रवृत्ति का त्याग करें, और कुछ करने से पूर्व विचार करने की आदत का विकास करें।

अंक 9 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप आदर्शवादी, बुद्धिमान परन्तु कभी कभी दूसरों के लिए समस्याजनक होते हैं लेकिन आप अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं। अतएव कभी कभी ऐसे लोगों को हेय दृष्टि से देखते हैं जो उन जैसे बुद्धिमान नहीं हैं। आप खास तौर पर उन कार्यों में सफल होते हैं, जहाँ कल्पनाशीलता, कलात्मकता, एवं रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, यह लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। आपको अच्छे अवसर प्राप्त होते हैं तथा दूसरों की सहायता आपको प्राकृतिक रूप से मिलती रहती है। जिससे आपका जीवन तो सफल होता ही है, साथ ही यह दूसरों के लिए भी काफी उपयोगी होता है, प्रायः आप घर के बड़ों के प्रभाव में होते हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि आप समाज के सब स्तरों के लोगों से सामान्य मेल-जोल रखें।

अव्यवस्था के अंक - 8. 3 व 4

आपके लोशु चार्ट में 8. 3 व 4 अंकों की अनुपस्थिति है। अतः आप दूरदर्शी, विचारक, क्रमबद्ध व व्यवस्थित नहीं होते हैं। आप लम्बे अर्से कि योजनाएं न बनाकर अपना सामान्य जीवन जीते हैं, और योजना बनने पर आप उसकी सफलता से पूर्व ही उसमें कोई विगाड़ पैदा कर देते हैं। अनुशासन में यह कठोर होते हैं, इस कारण आपके साथ कार्य करने वाले अथवा आधीन सेवा

करने वाले आपके विरोधी बन जाते हैं। आपका स्वास्थ्य पक्ष थोड़ा कमजोर ही रहता है, दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी आप प्रायः ठीक प्रकार से समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। भय, वहम एवं परिवर्तनशील स्वभाव के कारण कभी-कभी आपकी पढ़ाई में रुकावट आते हुए भी देखा गया है। जिसके कारण पढ़ाई बीच में ही रह जाती है। यानी कि आप इच्छा अनुसार योग्यता न प्राप्त कर पाने के कारण शिक्षा को लेकर असंतुष्ट भी रहते हैं। आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, नौकरी में आपको कई बार हानि भी उठानी पड़ती है। कई समस्याओं और उलझनों का सामना करना पड़ता है।

शंका के अंक - 4. 5 व 6

आपके लोशु चार्ट में 4. 5 व 6 अंकों की अनुपस्थिति है। अतः आप शंकालु, सनकी व चिड़चिड़े होते हैं, आप व्यग्र, जोखिम भरे साहसिक कार्य करने वाले, तथा कामुक प्रवृत्ति के होते हैं। आपमें बदले एवं पच्छतावे की भावना अधिक होती है, चिंता करना आपका स्वभाव होता है। और आप जीवन के ऋणात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। आप ऐसे व्यक्ति का परिचायक हैं, जो अँधेरे में रहने का आदि हो, और दिन के प्रकाश में कम निकलता हो, आप लोग जीवन की वास्तविकताओं का सामना करने से डरते हैं। आपको जीवन में उतार-चढ़ाव, निराशा एवं दुःख का सामना करना पड़ता है, इसके लिए आप स्वयं उत्तरदाई होते हैं क्योंकि आप लोग दूसरों से अपेक्षा से अधिक आशा कर लेते हैं। आप परिवार एवं दोस्तों का काफी ख्याल रखते हैं, तथा आप अपने नजदीकी लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। कई बार आप सनकी और उन्मादी भी हो जाते हैं, जिसके कारण कई बार प्रियजनों से आपको समस्या भी हो जाती है।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व अंक - 3, 4 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की अनुपस्थिति है। अतः आप अपनी मर्जी के मालिक एवं चीजों को सहजता से लेने वाले होते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है। जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती है। विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने में परेशानी महसूस होती है। और जीवन में बड़े बुजुर्गों, पिता का, बड़े भाई का सहयोग नहीं मिलता।

धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालांकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्वकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले,

अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्त्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमें निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और कश्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

नेपच्यून (केतु) 21 जून से 25 जुलाई तक पाश्चात्य मत से, सूर्य कर्क राशि में रहता है तथा 16 जुलाई से 16 अगस्त तक, भारतीय मत से सूर्य कर्क राशि में रहता है। इस समय जल तत्व की वृद्धि होती है। अतः उपयुक्त समय मूलांक सात के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

रविवार एवं सोमवार के दिवस में कोई भी महत्वपूर्ण कार्य, अपने किसी अधिकारी से मिलना, पत्र व्यवहार आदि के कार्य प्रारंभ करना आपके लिए अनुकूल हैं। आप अपना कोई भी कार्य इन्हीं दिवसों में प्रारंभ करें।

शुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह के दिनांक 2, 6, 7, 11, 15, 16, 20, 24, 25 एवं 29 आपके लिए विशेष महत्वपूर्ण होंगे। इन तारीखों में आप कोई भी नया कार्य, रोजगार-व्यापार, पत्र लेखन या उच्च अथवा विशिष्ट अधिकारी से मिलने का कार्य संपन्न करेंगे तो वह अधिक सुविधाजनक एवं फलदायक रहेगा।

अशुभ तारीखें

आपके लिए अंग्रेजी माह की 1, 9, 10, 18, 19, 27 एवं 28 तारीखें प्रतिकूल हैं। इन तारीखों में रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, पत्र व्यवहार या कोई भी महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ करना आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। अतः आप इन तिथियों के दुष्प्रभाव से बचें।

मित्रता या साझेदारी

आप अपनी मित्रता ऐसे व्यक्तियों से रखें जिनका जन्म 2, 6, 7, 11, 15, 16, 20, 24, 25 एवं 29 तारीखों को अथवा 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो। ऐसे व्यक्तियों से आपकी मित्रता घनिष्ठ रहेगी तथा वे रोजगार, साझेदारी के क्षेत्र में सहायक सिद्ध होंगे। ऐसे व्यक्ति आपके लिए विश्वसनीय रहेंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

यदि आपको प्रेम अथवा विवाह संबंधी संबंध स्थापित करना है तो आपके लिए ऐसी महिलाएं शुभ रहेंगी जिनका मूलांक 2, 6, 7 हो तथा जिनका जन्म किसी भी माह की 2, 6, 7, 11, 15, 16, 20, 24, 25 एवं 29 तारीखों में हुआ हो। ऐसी महिलाएं आपके लिए विशेष फलदायी रहेंगी।

अनुकूल रंग

आपके मूलांक को देखते हुए आपके लिए हरा काफूरी, सफेद, हल्का तिल रंग शुभ फलदायक होंगे। इसलिए आप वस्त्रों के चयन के समय इन रंगों का ध्यान रखें। ये रंग आपके रोजगार-व्यवसाय तथा स्वास्थ्य के लिए भी अनुकूल रहेंगे। इन्हीं रंगों के तकिये, चादर आदि आपके लिए ठीक रहेंगे। आप इन रंगों का रुमाल अपने पास रखें, जो आपके स्वास्थ्य तथा आपके लिए मंगलमय रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपको ऐसा भवन जिसका मूलांक या नामांक 7 हो तथा वह नैऋत्य कोण दिशा में स्थित हो शुभ रहेगा। यदि आप मकान बनवाते हैं या खरीदने के इच्छुक हैं तो आपके लिए नैऋत्य कोण दिशा उपयुक्त रहेगी तथा आप अपने सभी आवश्यक कार्य इसी दिशा की ओर करें। अपने घर का फर्नीचर काफूरी सफेद, हल्के नीले रंग का खरीदेंगे तो पूर्ण फलदायी रहेगा।

शुभ वाहन नं

आप यदि स्वयं का वाहन आदि खरीदने के इच्छुक हैं तो उसके पंजीकरण के लिए आपके अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल स्थापित करने वाले अंक ही अच्छे रहेंगे। आपका मूलांक 7 है, तब आपके लिए शुभ अंक 2, 6, 7 हो तो अच्छा रहेगा, जैसे पंजीकरण क्रमांक 5236 = 7 इत्यादि। यात्रा के वाहन, सीट क्रमांक के अंक भी यही होंगे तो आपकी यात्रा सफल रहेगी। यदि आप होटल में कमरा बुक करते हैं तब नंबर 106 = 7 आदि अंकों का चयन ही करें। यही आपके लिए हितकर रहेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आती है तब आपको पेट दर्द, छूत के रोग, पसीने की अधिकता तथा दुर्गंध, आमाशय दोष, कब्जियत, नींद न आना, भूख न लगना, गुप्तांग संबंधित रोग, वात तथा गठिया इत्यादि रोग होते हैं। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट और विपत्ति के समय आपको नृसिंह भगवान की पूजा एवं उपासना करनी चाहिए।

व्यवसाय

तैराकी, अभिनय, फिल्म व्यवसाय, वायु सेवा, पर्यटन, ड्राइवर का कार्य, बाबूगिरी, जल जहाज के कार्य, पत्रकारिता, संपादन कार्य, खबर, टायर, ट्यूब, प्लास्टिक वर्क, ललित कला संबंधी कार्य, राज्याधिकारी, जासूसी, तरल पदार्थों का क्रय-विक्रय, जादू के कार्य, कूटनीतिक कार्य, नियंत्रक, भूमिगत पदार्थों का व्यवसाय एवं ट्रांसमीटर, रेडियो, अनुवादक आदि के कार्य।

व्रतोपवास

शनिवार को नेपच्यून अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। शनिवार को काले, नीले वस्त्र धारण कर, इक्कावन या उन्नीस शनिवारों को व्रत करें। शरीर में तेल मालिश, तेल दान तथा पीपल के वृक्ष की पूजा करें। शनि मंत्र का यथाशक्ति रुद्राक्ष माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए लहसुनिया प्रमुख रत्न है। इसके न मिलने पर आप पीला हकीक भी धारण कर सकते हैं। इसे आप शुक्ल पक्ष में शनिवार के दिन, चौघड़िया मुहूर्त में, चांदी की अंगूठी में तीन से पांच रत्ती के लगभग, दाहिने हाथ की कनिष्ठा उंगली में त्वचा को स्पर्श करते हुए धारण करें।

अनुकूल देवता

आप केतु ग्रह की उपासना करें अथवा नृसिंह भगवान की आराधना करें। नृसिंह भगवान के मंत्र 'ओम् ह्रीं उग्रं वीरं महा विष्णुं ज्वलंतं सर्वतोमुखं नृसिंह भीषणं भद्र मृत्यु मृत्युं नमाम्यहं ह्रीं' का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगे तो आप विभिन्न रोंगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो नृसिंह भगवान के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए केतु के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, केतु गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

केतु गायत्री मंत्र - ॐ पद्मपुत्राय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो केतुः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप केतु का ध्यान करें, मन में केतु की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् ।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ केतु को अनुकूल बनाने हेतु केतु के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ सत्तर माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ स्रां सीं स्रौं सः केतवे नमः ॥ जप संख्या 17000 ॥

वनस्पति धारण

आप बुधवार के दिन एक इंच लंबी असंगंध की जड़ ला कर आसमानी धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधें या चांदी के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे नेपच्यून/केतु के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपको प्रत्येक बुधवार को एक बाल्टी या बर्तन में सहदेई, लज्जालु (लोबान), बला, मोथा, प्रियंगु और हिंगोठ आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ केतु/नेपच्यून के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आप कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध को मिला कर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

केतु की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को केतु के पदार्थ कस्तूरी, तिल, छाग, काला वस्त्र, ध्वजा, सप्तधान्य, कंबल, उड़द, वैदुर्य मणि, काले पुष्प, तेल, सुवर्ण, लोहा, शस्त्र आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

केतु को अनुकूल बनाए रखने हेतु केतु यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।